

**परिप्लुता स्त्री.** (तत्.) 1. शराब, मदिरा 2. वह योनि जिसके अंतर्गत मासिक रजस्राव अथवा मैथुन के समय पीड़ा होती है।

**परिप्लुष्ट वि.** (तत्.) 1. जला हुआ, भुना हुआ, जलाया हुआ 2. झुलसा हुआ।

**परिप्लोष पुं.** (तत्.) 1. जलन, दाह 2. तपन, ताप 3. शारीरिक गरमी, शरीर के भीतर का ताप।

**परिफुल्ल वि.** (तत्.) 1. पूर्णतः खिला हुआ, सम्यक् रूप से विकसित 2. भली प्रकार खिला या खुला हुआ 3. अत्यधिक प्रसन्न जैसे-परिफुल्ल नेत्र 4. रोमांचित, जिसके रोएँ खड़े हो गए हों।

**परिबंध वि.** (तत्.) भली प्रकार बँधा हुआ, सुगठित।

**परिबंधन पुं.** (तत्.) चारों तरफ से बँधा या बाँधा हुआ, चारों तरफ से जकड़ा हुआ, अच्छी तरह बँधा या जकड़ा हुआ।

**परिबर्ह पुं.** (तत्.) 1. राजा-महाराजाओं के हाथी-घोड़ों की पीठ पर डाली जाने वाली झूल 2. राजा-महाराजाओं के चिह्न, राजचिह्न जैसे- छत्र, चँवर आदि 3. घर-परिवार में नित्य प्रति प्रयुक्त होने वाली वस्तुएँ 4. धन-दौलत, संपत्ति।

**परिबर्हण पुं.** (तत्.) 1. पूजा, उपासना 2. बढ़ती समृद्धि, संपन्नता 3. सभी प्रकार से होने वाली वृद्धि।

**परिबाधा स्त्री.** (तत्.) 1. पीड़ा, कष्ट 2. बड़ी बाधा 3. परिश्रम 4. थकावट, श्रान्ति।

**परिबृंहण पुं.** (तत्.) 1. समृद्ध, उन्नत 2. किसी से सम्बद्ध, जुड़ा हुआ, अंगीभूत 3. बढ़ाया हुआ, अभिवर्धित।

**परिवृत्ति स्त्री.** (तत्.) एक अर्थालंकार।

**परिबोध पुं.** (तत्.) 1. ज्ञान 2. तर्क 3. ऐसे विघ्न जो साधकों को साधनारत होने में बाधा पैदा करते हैं, कमजोर चित्त वाले साधकों को समाधिस्थ नहीं होने देते।

**परिबोधन पुं.** (तत्.) 1. उचित बोध कराना 2. दंड अथवा सजा की धमकी देकर या भय दिखाकर

किसी कार्य विशेष को करने से रोकना, चेतावनी देना 3. चेतावनी।

**परिभंग पुं.** (तत्.) टुकड़े-टुकड़े करना, खंड-खंड करना।

**परिभक्ष वि.** (तत्.) दूसरों का माल चटकर जाने वाला, खा जाने वाला।

**परिभक्षण पुं.** (तत्.) पूर्णतः खा जाना, खाकर सफाचट कर देना।

**परिभर्त्सन पुं.** (तत्.) 1. डाँटना-फटकारना, धमकाना 2. चारों ओर से निंदा करना।

**परिभव पुं.** (तत्.) 1. अनादर, अपमान 2. तिरस्कार 3. हार, पराजय।

**परिभवन पुं.** (तत्.) अनादर, अपमान करना, तिरस्कार करना।

**परिभवनीय वि.** (तत्.) 1. तिरस्कार के योग्य, अनादर योग्य 2. पराभव, पराजय योग्य।

**परिभवी वि.** (तत्.) दूसरों का अनादर करने वाला, अपमान करने वाला।

**परिभाव पुं.** (तत्.) 1. परिभव, अनादर, तिरस्कार, अपमान 2. किसी आश्चर्यजनक दृश्य को देखकर कुतुहलपूर्ण बातें करना 3. मात करना, पराभव, हराना।

**परिभावन पुं.** (तत्.) 1. मिलन, संयोग, मिलाप 2. चिंता, फिक्र 3. विचारना, मनन करना।

**परिभावना स्त्री.** (तत्.) 1. चिंता, सोच 2. ऐसा साहित्यिक पथ जिससे उत्सुकता या जिज्ञासा पैदा हो।

**परिभावित वि.** (तत्.) 1. चिंतित, विचारित 2. संयुक्त 3. परिव्याप्त।

**परिभावी वि.** (तत्.) तिरस्कार या अनादर करने वाला पुं. वह जो तिरस्कार या अपमान करे।

**परिभावुक वि.** (तत्.) 1. अनादर करने वाला, तिरस्कार करने वाला, अवज्ञा करने वाला।